एसआरटी एग्रो साइंस प्रा. लि.

ग्राम–फुण्डा,तह.–पाटन,जिला–दुर्ग(छत्तीसगढ़)

विभिन्न सब्जियों के प्रति एकड़ खेती के लिए फसल तालिका

लौकी	करेला	तोरई	खीरा	कुंदरु

क्र.	रोग / बीमारी	उत्पाद	मात्रा प्रति एकड़	उपयोगिता	सावधानी
1.	**बीज एवं नर्सरी उपचार** इण्डोफा कैप्स और बैसिलस कैप्स को 20लीटर पानी में घोल लें । इस घोल में नर्सरी को 15 मिनट तक डुबाकर रखें । फिर 30 मिनट तक छाया में सुखाकर तुरंत बोवाई करें ।षेष बचे हुए घोल को 200 लीटर पानी में घोलकर ड्रिप से दें या पर्याप्त मात्रा में रेत या गोबर खाद में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।	इण्डोफा कैप्स बैसिलस कैप्स	1कैप्सूल + 1कैप्सूल	बीजों की अंकुरण क्षमता बढ़ाता है और जीवाणुजनित और फफूंदजनित रोगों से बचाव करता है।	रासायनिक फफूंदीनाषक एवं जीवाणुनाषक नहीं मिलायें ।
2.	**भूमिउपचार** एजोस कैप्स और पीएसबी प्लस कैप्स को 200लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ की दर से ड्रिप से दें या कैप्सूल को 15 लीटर पानी में घोलकर 40–50कि.ग्रा. रेत या गोबर खाद मे ंमिलाकर प्रति एकड़ की दर से रोपाई या बोवाई के दौरान दें।	एज़ोस कैप्स	1कैप्सूल	यूरिया की मात्रा 50 प्रतिषत तक कम करेगा, फॉस्फोरस की कमी को पूरी करेगा एवं (डी ए पी) की मात्रा कम करेगा । जड़ों का विकास कर भूमि में रहने वाले तत्वों को पौधों को उपलब्ध कराता है ।	रासायनिक फफूंदीनाषक एवं जीवाणुनाषक नहीं मिलायें ।
		पी.एस.बी. प्लसकैप्स	1कैप्सूल		
		माइकोराईजा (माइकोमार्षल)	3 कि.ग्रा. प्रति एकड़		
		एसआरटी प्रॉम	100कि. ग्रा. प्रति एकड़		
3	**<u>फसल की अच्छी बढ़वार के लिए</u>**–बोवाई या रोपाई के 20–30 दिन के बादएक एकड़ में छिड़काव करें ।	क्रॉपफोर्स (बायोझाइम) (ग्रेन्युल) + एनपीके (ग्रेन्युल) 6:12:10	5 कि.ग्रा. प्रति एकड़ + 150कि.ग्रा. प्रति एकड़	फसल की अच्छी बढ़वार एवं तने की मोटाई बढ़ाता है जिससे पौधा गिरता नहीं है। फसल की बोवाई के 1 माह बाद से 3 माह तक 50कि.ग्रा.प्रति एकड़ की दर से एनपीके (ग्रेन्युल) का छिड़काव करें।	रासायनिक फफूंदीनाषक एवं जीवाणुनाषक नहीं मिलायें ।
4	**बोवाई के 2 माह बाद**	एज़ोस कैप्स पी.एस.बी. प्लसकैप्स पोटाष ग्रो कैप्स जिंक ग्रो कैप्स	1कैप्सूल + 1कैप्सूल + 1कैप्सूल	कैप्सूल्स को 200लीटर पानी में घोलकर ड्रिप से दें या कैप्सूल को 50लीटर पानी में घोलकर पर्याप्त मात्रा में रेत या गोबर खाद में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से	रासायनिक फफूंदीनाषक एवं जीवाणुनाषक नहीं मिलायें ।

			+ 1कैप्सूल	छिड़काव करें।	
5	**बोवाई के 3 माह बाद**	कॉप बुस्टर	5 लीटर प्रति एकड़	उत्पाद को 200लीटर पानी में घोलकर ड्रिप से दें या उत्पाद को 50लीटर पानी में घोलकर पर्याप्त मात्रा में रेत या गोबर खाद में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से भूरकाव करें और तुरंत सिंचाई करें।	
6	**<u>फसलों की अच्छी उपज के लिए</u>–**	ऐल्प + कॉप डाईट	1 लीटर प्रति एकड़+ 5 लीटर प्रति एकड़	उत्पाद को 200लीटर पानी में घोलकर ड्रिप से दें या उत्पाद को 50लीटर पानी में घोलकर पर्याप्त मात्रा में रेत या गोबर खाद में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से भूरकाव करें और तुरंत सिंचाई करें।	रासायनिक फफूंदीनाषक एवं जीवाणुनाषक नहीं मिलायें।
7	**रोगों से रोकथाम के लिए–**	इण्डोफा कैप्स बैसिलस कैप्स पैकलिक कैप्स	1कैप्सूल + 1कैप्सूल + 1कैप्सूल	तीनों उत्पाद को 200लीटर पानी में घोलकर ड्रिप से दें।	
8	**कीटों से रोकथाम और बेहतर उपज के लिए (सभी प्रकार इल्लियों और रसचूसक कीटों के लिए)–**	ट्रेप्स कैप्स लाईफ लाईन कैप्स सोनहा बिहान	1कैप्सूल + 1कैप्सूल 250ग्राम	ट्रेप्स **कैप्स,** लाईफ लाईन **कैप्स** और सोनहा बिहान को 200लीटर पानी में घोलकर स्प्रे से छिड़काव करें।	ट्रेप्स **कैप्स+** लाईफ लाईन और सोनहा बिहान को अलग अलग घोल बनाकर एक साथ टेंक में मिक्स कर तुरंत स्प्रे करें।

नोट :– 1 रसचूसक कीटों और इल्लियों की रोकथाम के लिए प्रति माह अमावस्या के समय ट्रेप्स कैप्स और लाईफ लाईन कैप्स का उपयोग करें।

2 जीवाणु जनित और फफूंद जनित रोगों की रोकथाम के लिए प्रति माह अमावस्या के समय इण्डोफा कैप्स और बैसिलस कैप्स का उपयोग करें।

3 अधिक बारिष या बादल होने पर इण्डोफा कैप्स और बैसिलस कैप्स का स्प्रे करें।

4 उचित दिन पर उत्पाद का प्रयोग करने के लिए पृष्ठ के पीछे की ओर देखें ।

जैव उत्पाद का उपयोग करने के लिए उचित तिथि

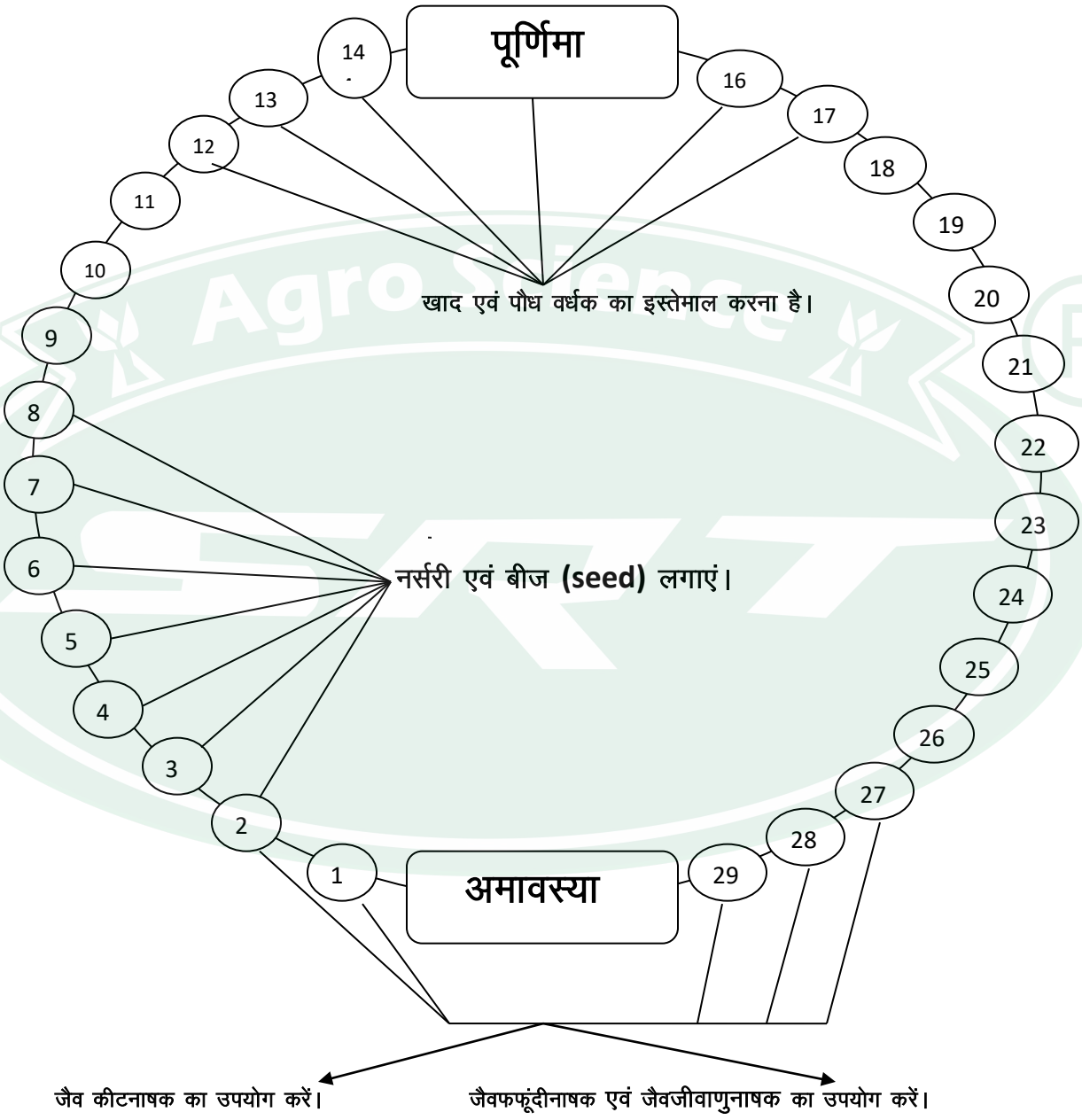

नोट :– 1 अचानक मौसम बदलने पर जैव फफूंदीनाशक एवं जैव जीवाणुनाषक का उपयोग करें।